www.ccsuniversity.ac.in

www.ccsutsmc.in

मासिक समाचार पत्र चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

परिसर

जनवरी 2023

पूर्वांचल में लहराई सीसीएसयू की पताका 4

स्वामी विवेकानंद चेयर स्थापित होगी 3

रुहेलखंड विवि और सीसीएसयू में एमओयू 2

विश्वविद्यालय में ई–रिक्शा सेवा का उद्घाटन करने के दौरान स्वयं ई–रिक्शा चलातीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला। (खबर पेज 3 पर)

लक्ष्य 2023

- फार्मेसी के साथ जापानी, पंजाबी और तमिल भी पढ़ाएगा सीसीएसयू
- शोध पर रहेगा विशेष जोर, एथलेटिक्स का ट्रैक सिंथेटिक होगा
- तीरंदाजी, निशानेबाजी और लॉन टेनिस का प्रशिक्षण मिलेगा
- हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर में योग, फिटनेस और पंचकर्म भी होगा

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने भविष्य के लिए कई योजनाएं तैयार की हैं। वर्ष 2023 की शुरुआत में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इनकी जानकारी दी। कुलपति के अनुसार सीसीएसयू में नए सत्र में फार्मेसी पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही बीएड, म्यूजिक एंड परफार्मिंग आर्ट्स और डिफेंस स्टडीज भी शुरू किया जा रहा है। यहीं नहीं विश्वविद्यालय में अब जापानी भाषा, पंजाबी भाषा और तमिल या कोई एक अन्य दक्षिण भारतीय भाषा पढ़ाने की शुरुआत भी होगी।

प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने बताया कि आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लाक चेन व डाटाबेस और मशीन लर्निंग के सर्टिफिकेट व शार्ट टर्म कोर्स भी शुरू किए जाएंगे। इनमें से कुछ के प्रस्ताव भेजे भी जा चुके है। बहुत जल्द इनको लागू करने की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में खेल सुविधाओं को बढ़ाना उनकी प्राथमिकता में शामिल है। इसके लिए विश्वविद्यालय में पर्याप्त स्थान और संसाधन मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि खेल सुविधाआ के अलावा सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बनवाने पर जोर रहेगा। इसके अलावा तीरंदाजी, निशानेबाजी और लान टेनिस जैसे खेलों के प्रशिक्षण की शुरुआत होगी। परिसर में हास्टल के छात्रों व शिक्षकों के लिए रात आठ बजे तक खेल गतिविधियों के आयोजन की व्यवस्था होगी।

शोध पर रहेगा जोर

कुलपति ने कहा कि 2022 में विभिन्न विभागों को 52 रिसर्च प्रोजेक्ट में शोध के लिए धनराशि प्रदान की गई है। 2023 में अंतर विभागीय संयुक्त रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए अधिक धनराशि आवंटित की जाएगी। इससे गणित, विज्ञान, बाटनी, सांख्यिकी आदि विभाग एक–दूसरे के साथ मिलकर शोध करेंगे। इसके साथ ही फेलोशिप को 50 से अधिक करने और धनराशि भी पांच हजार से अधिक करने की तैयारी की जा रही है ताकि रिसर्च को बढ़ावा दिया जाए।

ऑनलाइन होगा मूल्यांकन

सीसीएसयू में बने मूल्यांकन भवन के ऊपर 500 कंप्यूटर सिस्टम वाला आनलाइन मूल्यांकन सेंटर बनेगा। शुरुआत में कुछ परीक्षाएं भी आनलाइन कराई जाएंगी और उनके रिजल्ट उसी दिन या दूसरे दिन जारी करने की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही एमसीक्यू क्वेश्चन बैंक बनेगा जिसमें शुरुआत में हर विषय के 500 प्रश्न जमा होंगे।

आनंदम केंद्र में आत्मचिंतन

परिसर के योग केंद्र को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के तौर पर विकसित किया जाएगा। इसमें हॉस्टल व विभागों में योग कार्यक्रम और पंचकर्म कराएंगे। इसके साथ ही एक आनंदम केंद्र बनेगा जहां लोग आत्मचिंतन, मंथन कर सकेंगे।

सीसीएसयू के लक्ष्य

- आइक्यूएसी हाल में डाक्यूमेंटेशन सेंटर बनेगा जिसमें यूनिवर्सिटी का पूरा डाटा एक स्थान पर होगा।
- बेस्ट पीएचडी अवार्ड और बेस्ट पेपर अवार्ड दिया जाएगा।
- शिक्षकों व स्टूडेंट्स के लिए सात योजनाएं जिनमें वर्धान, स्पेस, सत्यम, स्वस्थ, फास्टविट्स, फ्यूजनकान व यूआरजीएस है।
- नैक मूल्यांकन में ए–प्लस प्लस ग्रेड लेना, एनआइआरएफ के टाप–500 रैंकिंग में आना और क्यूएस रैंकिंग में शामिल होना।
- कॉलेजों संग मिलकर व्यवस्था को सुचारू बनाने की प्रक्रिया पर विचार व मंथन शुरू हो चुके हैं।

भाषा प्रयोगशाला के लिए 30 लाख, दो टेनिस कोर्ट के लिए दस लाख और वेलनेस सेंटर के लिए आठ लाख रुपये आवंटित... ***पेज 5 पर***

क्रियान्वयन

शोध को बढ़ावे के लिए तीन योजनाओं का शुभारंभ

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने शोध को बढ़ावा देने के लिए तीन योजनाओं का शुभारंभ किया है। इन योजनाओं के तहत छात्र या छात्रा को आर्थिक मदद भी विश्वविद्यालय द्वारा दी जाएगी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने बताया कि शोध को बढ़ावा देने के लिए तथा शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए इन योजनाओं का शुभारंभ किया गया है, जिससे विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में एक अच्छा स्थान प्राप्त कर सकें।

1 स्टूडेंट्स प्रोग्राम्स फॉर एकेडमिक कैलिबर एंड एक्सीलेंस योजना

पहली योजना स्पेस (स्टूडेंट्स प्रोग्राम्स फॉर एकेडमिक कैलिबर एंड एक्सीलेंस) के नाम से है। रिसर्च इनोवेशन पॉलिसी के अंतर्गत गणतंत्र दिवस के अवसर पर सर्वश्रेष्ठ छात्र या छात्रा को रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। शोध को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा तो अनेक योजनाएं या प्रोजेक्ट चलाए जाते हैं लेकिन चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय पहली बार शोध को बढ़ावा देने के लिए छात्र या छात्रा को रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित करेगा।

2 रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए 20 लाख की धनराशि

रिसर्च एंड इनोवेशन पॉलिसी के तहत विश्वविद्यालय में इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा इंटर डिपार्टमेंटल रिसर्च प्रोजेक्ट आमंत्रित किए हैं। इन रिसर्च प्रोजेक्ट की अवधि 2 वर्ष की होगी। रिसर्च प्रोजेक्ट की सेटिंग फैक्ट्री रिपोर्ट के आधार पर 1 वर्ष तक की अवधि के लिए विस्तारित भी किया जा सकता है।

इन रिसर्च प्रोजेक्ट हेतु कम से कम 3 विभागों का संयुक्त प्रस्ताव प्राप्त होना आवश्यक है, जिसमें से एक अनुदानित विभाग से कोऑर्डिनेटर प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर तथा अन्य विभागों से प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर को प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर होंगे। इन रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए विश्वविद्यालय द्वारा अधिकतम 20 लाख रुपए की धनराशि दी जाएगी। इन रिसर्च प्रोजेक्ट को स्वीकृति हेतु एक समिति का गठन किया जाएगा, जिसकी अनुशंसा पर रिसर्च प्रोजेक्ट को स्वीकृति प्रदान की जाएगी।

3 विदेशों में शोध करने के लिए 60 हजार रुपए तक आर्थिक सहायता

विश्वविद्यालय परिसर स्थित विभागों में पीएचडी कर रहे शोध छात्रों को अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में शोध पत्र स्वीकृत होने की स्थिति में विश्वविद्यालय द्वारा फंडिंग सपोर्ट फॉर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंसेस के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय यात्रा, वीजा कॉन्फ्रेंस पंजीकरण, लॉजिंग बोर्डिंग हेतु अधिकतम 60 हजार रुपए तक प्रति शोध छात्र (अधिकतम 5 छात्र या छात्राओं) हेतु प्रति वर्ष योग्यता के आधार पर प्रदान करेगा।

इच्छुक एवं अर्ह शोध छात्र या छात्रा अपने शोध निदेशक एवं विभागाध्यक्ष के माध्यम से अपना प्रस्ताव आवश्यक अभिलेखों सहित सहायक कुलसचिव विकास विभाग को प्रेषित कर सकते हैं।

प्रोफेसर राकेश बने साइंस कांग्रेस में सेक्शनल प्रेसीडेंट : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में केमिस्ट्री विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राकेश कुमार सोनी 109वीं इंडियन साइंस कांग्रेस में केमिकल साइंस के सेक्शनल प्रेसीडेंट मनोनीत हुए हैं। केमिस्ट्री के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें यह अवसर मिला, जहां वह अपने अनुभवों का ज्ञान अन्य लोगों को देंगे।

सहयोग समझौते के दौरान चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय और ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के कुलपति और दोनों विश्वविद्यालय के शीर्ष अधिकारी।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय और सीसीएसयू के बीच सहयोग समझौता

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ और महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के बीच शनिवार 21 जनवरी को एक सहयोग समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। इस एमओयू के अंतर्गत दोनों विश्वविद्यालयों में शोध प्रकाशन, अकादमिक सूचनाओं का आदान–प्रदान, छात्र एवं शिक्षकों का आदान–प्रदान तथा सेमिनार कार्यशाला एवं अकादमिक बैठ. कों में आपसी सहर से विश्वविद्यालय को आग ल जान का प्रयास किया जाएगा। इस एमओयू में संयुक्त रूप से शोध निर्देशन एवं संयुक्त शोध करने का प्रावधान रहेगा। दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षक शोध निदेशक बनने के साथ–साथ एक–दूसरे की प्रयोगशालाओं का भी प्रयोग कर सकेंगे।

आदान–प्रदान

एमओयू का कार्यकाल पांच वर्ष का होगा। पांच वर्षों में विचारों के आदान–प्रदान के साथ–साथ पाठ्यक्रमों के निर्माण, समय सापेक्ष को ध्यान में रखते हुए नवीन पाठ्यक्रमों का संचालन तथा शिक्षक एवं छात्र एक–दूसरे विश्वविद्यालयों की विभिन्न कमेटियों में सम्मिलित होकर योगदान कर सकेंगे।

इस अवसर पर सीसीएसयू की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि दो राज्य विश्वविद्यालय अपनी–अपनी संभावनाओं एवं समस्याओं से परिचित हैं। हमारा प्रयास रहेगा कि साथ मिलकर उन सभी संभावनाओं पर कार्य करते हुए छात्र छात्राओं के लिए नए अवसर प्रदान कराएं। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड ग्यालय के कुलपति फेसर के.पी. सिंह ने कहा कि हमारे ए गौरव की बात ह ।क चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के साथ एमओयू हुआ है। हम अकादमिक जगत के विभिन्न क्षेत्रों में साथ मिलकर कार्य आकरेंगे।

दोनों विश्वविद्यालयों के बीच इस पर भी सहमति बनी कि दोनों एक पूल फंड बनाएंगे। फंड के माध्यम से बड़े रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम किया जा सकेगा। इस अवसर पर सीसीएसयू के कुलसचिव धीरेंद्र कुमार, रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के कुलसचिव राजीव कुमार, सीसीएसयू के कुलानुशासक प्रोफेसर वीरपाल सिंह, प्रोफेसर अनिल मलिक मौजूद रहे।

पत्रकारिता के छात्रों को टैबलेट बांटे

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मॉस कम्युनिकेशन में मंगलवार 27 दिसंबर को टैबलेट वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। यूपी सरकार की स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत एमजेएमसी अंतिम वर्ष के छात्रों को विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र भारद्वाज ने टैबलेट बांटे।

धर्मेंद्र भारद्वाज ने कहा कि योगी सरकार ने लॉकडाउन दौरान युवाओं को तकनीकी रूप से लैस करने के लिए सोच रखा था। इस योजना 2022 के चुनाव में लेकर आए और

उपहार

ना का लाभ तमाम छात्रों को मिलता दिख रहा है। कार्यक्रम की ता प्रोफेसर भूपेन्द्र सिंह (छात्र कल्याण अधिष्ठाता सीसीएसयू) ने की। कार्यक्रम में विभाग के निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार के साथ ही डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, लव कुमार सिंह, ज्योति वर्मा, नेहा कक्कड़, उपेश दीक्षित, मितेंद्र कुमार गुप्ता, राकेश आदि मौजूद रहे।

जरूरतमंदों का पेट भरेगा हॉस्टल से बचा खाना

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कैंपस के आठ हॉस्टल में छात्र–छात्राओं के लिए बना खाना अब जरुरतमंदों का पेट भी भरेगा। इसके अलावा बचा खाना प्रयोग करने लायक नहीं है तो इसे गोशाला में भेजा जाएगा। विश्वविद्या की यह पहल नजीर बन सकती है। विद्यार्थियों को खाने का महत्व बताते खाना बर्बाद नहीं होने देने के लिए जागरुक किया जाएगा।

प्रशंसनीय

विश्वविद्यालय कैंपस में आठ हॉस्टल हैं। इन सभी में 15 सौ से अधिक विद्यार्थी हैं। सभी में मैस सुविधा है। हॉस्टल में खाने को लेकर दो तरह की दिक्कतें हैं। पहली, छात्र जरुरत से ज्यादा भोजन थाली में ले लेते हैं और बाद में इसमें से कुछ छोड़ देते हैं। दूसरी जितने छात्रों के लिए खाना बना, उनमें से सभी ने नहीं खाया तो ये भी बच ही जाता है। विश्वविद्यालय इसी को रोकने के लिए पहल करने जा रहा है।

कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने वार्डन और असिस्टेंट वार्डन के साथ बैठक करते हुए मैस में कम से कम भोजन बचे, इस पर काम करने के श दिए। कुलपति ने छात्रों का क्लब बनाते हुए जागरुता अभियान ाने को भी कहा। इसम छात्रा को जरुरत के अनुसार ही एक बार में प्लेट में खाना लेने और जरुरत पड़ने पर दुबारा खाना लेने को प्रेरित किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि पहला प्रयास कम से कम खाना बचने का रहे और यदि फिर भी बचता है तो उसे गोशाला या जरुरतमंदों तक पहुंचा दिया जाए। कुलपति ने आटा, दाल एवं सब्जी रखने की उचित व्यवस्था बनाने के निर्देश भी दिए।

संत काव्य परंपरा के आधुनिक कवि हैं गंगादास

हिंदी विभाग में कौरवी के प्रथम कवि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से बुधवार 25 जनवरी को 'कौरवी के प्रथ कवि संत गंगादास का प्रदेय' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें कवि संत और उनकी रचनाओं पर चर्चा की गई।

संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता कर्मवीर सिंह ने कहा कि गंगादास ने महाभारत, कृष्णलीला, पार्वती मंगल और शिव विवाह पर भी लिखा। वे सगुण और निर्गुण भक्ति पर समान रूप से लिख रहे थे। अदिति विश्वविद्यालय दिल्ली से आईं प्रोफेसर नीलम राठी ने कहा कि युद्धवीर, धर्मवीर, कर्मवीर, दानवीर गंगादास संत काव्य परंपरा के आधुनिक कवि हैं। हिंदी का प्रथम कवि संत गंगादास को मानना चाहिए। वैदिक साहित्य से भी संत गंगादस का संबंध जुड़ता है। वे राम की भी बात करते हैं और कृष्ण की भी।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतिथियों का सम्मान करतीं प्रोफेसर वाई. विमला।

संगोष्ठी में 'यूको राजभाषा सम्मान–हिंदी के मेधावी विद्यार्थी सम्मान' के तहत मेधावी छात्रों को पुरस्कृत भी किया गया। हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने बताया कि सीसीएसयू में 2009 में कौरवी लोक साहित्य का अध्ययन शुरू हुआ था। कौरवी क्षेत्र के प्रसिद्ध विद्वानों में कवि सेनापति, घनानंद और आचार्य चतुरसेन शास्त्री का जन्म और कर्मस्थली अनूपशहर रहा है। डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल भी पिलखुवा क्षेत्र से संबंधित रहे हैं। कौरवी क्षेत्र के बड़े विद्वान आचार्य क्षेमचंद्र सुमन ने संत गंगादास को हिंदी खड़ी बोली का पितामह कहा है।

वर्चुअल लैब सेमिनार में प्रतिभाग करने वाले छात्र–छात्राएं।

छात्रों को वर्चुअल लैब के बारे में बताया

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में 16 जनवरी को वर्चुअल लैब पर सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सेमिनार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के सहयोग से किया गया। सीसीएसयू, आईआईटी कानपुर के साथ एक वर्चुअल लैब का संचालन कराने के लिए नोडल सेंटर की तरह संबद्ध है। वर्चुअल लैब परियोजना मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक पहल है जो सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा के प्रसार में राष्ट्रीय मिशन में एक हिस्सा है।

सेमिनार का विषय इंट्रोडक्शन ऑफ वर्चुअल लैब था। इसमें वक्ता आईआईटी कानपुर की सीनियर प्रोजेक्ट असिस्टेंट वर्चुअल लैब, इंजीनियर शीतल सिंह रही। उन्होंने वर्चुअल लैब की जरूरत और उसके संगठन के बारे में विस्तार से बताया तथा यह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषयों में प्रयोगशाला की तरह कैसे काम कर रहा है उसको सिमुलेशन के माध्यम से समझाया।

भौतिक विज्ञान विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर वीरपाल सिंह (वर्चुअल लैब्स समन्वयक) ने वर्चुअल लैब्स के बारे में परिचय दिया एवं विभाग के डॉ. अनिल कुमार यादव ने वक्ता का परिचय दिया। संचालन पीएचडी स्कॉलर आकांक्षा यादव ने किया।

एकल काव्य पाठ : तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में साहित्यिक कार्यक्रम के आयोयन के तहत प्रसिद्ध कवि दुर्गेश दुबे द्वारा एकल काव्य पाठ किया गया। इस दौरान दुर्गेश दुबे ने अनेक गीतों, कविताओं की प्रस्तुति दी। उनकी पिता पर सुनाई गई कविता को बहुत पसंद किया गया। इसके अलावा उन्होंने प्रेम को लेकर भी कई गीत प्रस्तुत किए।

ई–रिक्शा चलाकर दफ्तर पहुंचीं कुलपति

ंपस में महिला, दिव्यांग या वृद्ध को पैदल जाने की जरूरत नहीं, ई–रिक्शा की सेवा शुरू

नई सुविधा

मेरठ। अब चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में किसी भी महिला, दिव्यांग या वृद्ध को काम हो और उनके पास वाहन है तो अब उनको पैदल जाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि कुलपति ने विश्वविद्यालय में ई–रिक्शा की सेवा शुरू की है। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने बुधवार चार जनवरी को ई–रिक्शा का शुभारंभ किया। उदघाटन के बाद कुलपति ने ई–रिक्शा को स्वयं चलाया। उन्होंने मुख्य द्वार से राजा महेंद्र प्रताप पुस्तकालय तक और पुस्तकालय से गेट तक ई रिक्शा चलाया।

किसी भी महिला, दिव्यांग, या वृद्ध को काम के लिए जिस भी विभाग में जाना है, तो ई–रिक्शा उन्हे उसी विभाग के सामने उतारेगा। कुलपति ने बताया कि जल्द ही आने जाने वालों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय में एक और ई रिक्शा आएगा। ई–रिश्का मुख्य द्वार पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खड़ा रहेगा। इस पहल से आने–जाने वालों को बहुत ही आसानी होगी और उनका समय बचेगा। ई–रिक्शा को चार्ज करने के लिए ई–रिक्शा पर ही सोलर पैनल लगाया गया है। इससे बिजली की बचत होगी।

स्वामी विवेकानंद चेयर स्थापित होगी

- तीन मेधावी शोधार्थियों को तीन वर्ष तक फैलोशिप दी जाएगी
- शोध का स्तर ऊंचा उठाने के लिए पुरातन छात्र ने दिया सहयोग

नई पहल

<u>परिसर संवाददाता</u>

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में शोध का स्तर ऊंचा उठाने के लिए पुरातन छात्र आगे आए हैं। विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र ने 11 जनवरी को पांच लाख रुपये का चेक कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला को सौंपा। इस राशि का उपयोग करते हुए कुलपति ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद चेयर स्थापित करने का निर्णय लिया। इसके तहत तीन मेधावी शोधार्थियों को तीन वर्ष तक फैलोशिप दी जाएगी।

विवि के प्रेस प्रवक्ता प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने बताया कि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में शोध का स्तर बढ़ाने के लिए कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला लगातार प्रयासरत है। वे लगातार विद्यार्थियों को इसके लिए प्रोत्साहित भी करती रहती हैं। इसी प्रयास में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए गुरुवार को स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में कुलपति ने स्वामी विवेकानंद चेयर स्थापित करने का निर्णय लिया।

विवि के पुरातन छात्र और सुंदरदीप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन ग्लोबल के चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल के प्रतिनिधि के रूप में अकेडमिक चेयरमैन डॉ. राकेश शर्मा ने शोध का स्तर ऊंचा उठाने के लिए कुलपति को पांच लाख रुपए का चैक सौंपा। महेंद्र अग्रवाल और उनके पुत्र अखिल अग्रवाल चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र रहे हैं।

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला को चेक सौंपते विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र महेंद्र अग्रवाल के प्रतिनिधि।

इससे पहले कुलपति ने अधिकारियों के साथ बैठक कर इसका उपयोग करने के लिए स्वामी विवेकानंद चेयर स्थापित करने व तीन मैरीटोरियस छात्रों को हर माह पांच हजार रुपये तीन साल तक फैलोशिप के रूप में देने का निर्णय लिया। लाइफ साइंस, सोशल साइंस तथा फिजिकल साइंस से एक–एक शोधार्थी को यह फैलोशिप दी जाएगी। कुलपति ने कहा कि यह एक अच्छी पहल है कि विश्वविद्यालय के विकास के लिए पुरातन छात्र आगे आ रहे हैं और सहयोग कर रहे हैं। विश्वास है कि और भी पुरातन छात्र विश्वविद्यालय के विकास के लिए सहयोग करेंगे, जिससे विश्वविद्यालय में पढने वाले विद्यार्थियों का विकास होगा।

इस दौरान कुलसचिव धीरेंद्र कुमार, वित अधिकारी रमेश चंद्र, वरिष्ठ आचार्य प्रो. वाई विमला, प्रो. मृदुल गुप्ता, प्रो. बिंदु शर्मा, प्रो. नीलू जैन, इंजीनियर प्रवीन कुमार, संदीप अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

कैंटीन संग खुलेगा पार्लर, स्टेशनरी और जनरल स्टोर

सहूलियत

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने वाली है। इसके तहत अब विश्वविद्यालय ने परिसर स्थित कैंटीन ... में ही कैंटीन के साथ चार ...कानें भी ... की योजना बनाई है।

विश्वविद्यालय ने कैंटीन के भवन को चार हिस्सों में विभाजित किया है। इनमें चार दुकानें खुलेंगी। एक दुकान सैलून यानी ब्यूटी पार्लर की होगी। दूसरी दुकान फोटो कॉपियर, स्टेशनरी, कंप्यूटर टाइपिंग आदि, तीसरी दुकान जनरल स्टोर और चौथी दुकान कैंटीन व फोटोग्राफी की होगी।

इसी के साथ सर छोटूराम इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट स्थित कैंटीन को भी किराए पर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी के अनुसार इस संबंध में ई–निविदा आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं।

स्टार्टअप शुरू करना है तो सीसीएसयू करेगा मदद

चैम्पियंस फार टुमारो

<u>परिसर संवाददाता</u>

मेरठ। यदि आप अपना नया स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं और किसी कठि... शुरू नहीं कर पा रहे हैं तो ... करने की कोई बात नहीं है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय प्रतिभाशाली युवाओं के सपनों को उड़ान भरने में मदद करेगा। इ... लिए उन्हें केवल पंजीकर... होगा। यदि उनका स्टार्टअप विशेषज्ञों को पसंद आया तो इसके लिए उनको इनाम भी दिया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के स्टार्टअप ...ंड इन्क्यूबेशन सेंटर ने 'चैम्पियंस फार ...' नाम से इनोवेशन चौलेंज ...रू किया है। इसके तहत सबसे बढ़िया स्टार्टअप को प्रथम पुरस्कार के रूप में (तीन पुरस्कार) दस हजार ...ये प्रति चौलेंज तथा द्वितीय ... आने वाले छह एप्रीसिएशन पुरस्कार के रूप में पांच हजार रुपये दिए जाएंगे। इसमें चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक व छात्र भाग ले सकते हैं।

इस कार्यक्रम के संयोजक और स्टार्टअप सेल के समन्वयक प्रो. हरे कृष्णा का कहना है कि इस इनोवेशन चैलेंज का उद्देश्य युवाओं के सपनों को पूरा करना है। इस चौलेंज के माध्यम से नए–नए युवाओं के स्टार्ट आप आएंगे जिनको पूरा करने में विश्वविद्यालय द्वारा मदद की जाएगी। विस्तृत जानकारी विवि की वेबसाइट के स्टार्टअप एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के वेब पेज पर उपलब्ध है।

तीन चीजों पर मांगे है स्टार्टअप

विश्वविद्यालय के स्टार्टअप एंड इन्क्यूबेशन सेंटर ने तीन चीजों पर युवाओं व शिक्षकों से तीन स्टार्टअप पर आइडियाज मांगे हैं। जिसमें पहला चैलेंज है ईको स्पोट्स सिस्टम, दूसरा चैलेंज है डायरेक्ट बीटूसी सर्विस तथा तीसरा चैलेंज ग्लोबलाईजेशन रेवड़ी–गजक है।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादक** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, **समाचार संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीजेएमसी और एमजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

फोटोग्राफी में प्रथम : पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में युवा महोत्सव के दौरान हुई फोटोग्राफी प्रतियोगिता में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय स्थित तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के बीजेएमसी प्रथम सेमेस्टर के छात्र दीपक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रदर्शन पर विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

सत्य के मार्ग पर चलते रहना ही प्रगति का एकमात्र रास्ता

- विवेकानंद जयंती पर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा
- इस अवसर पर सीसीएसयू परिसर में हवन किया गया

स्मरण

परिसर संवाददाता

मेरठ। सत्य के मार्ग पर चलते रहना ही प्रगति का एकमात्र रास्ता है। अगर आप सत्य के मार्ग पर चल रहे हैं तो आपको अपने लक्ष्य से कोई नहीं डिगा सकता है। इसके साथ ही आपको कठिन परिश्रम सत्यता और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होना पड़ेगा तभी आप लक्ष्य की प्राप्ति कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कु[illegible] प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने यह बात कही।

विवेकानंद जयंती के अवसर पर सीसीएसयू परिसर में हवन किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि अपनी संस्कृति, अपना भारत, अपना हिंदुस्तान अपने दिल में बनाए रखिए। युवा अपने अंदर की शक्ति को पहचाने। यदि आप अपनी शक्ति को पहचान गए तो आप कुछ भी कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि युवा दिवस पर युवाओं के लिए यह तीन बात जरूरी हैं। लक्ष्य के प्रति दौड़ते रहें, धैर्य रखें, जीते या हारे, लेकिन स्वयं से हार नहीं माननी है। यदि आपने ऐसा किया तो निश्चित ही आपकी जीत होगी। सत्य के प्रति विश्वास बनाए रखें। कहा कि स्वामी विवेकानंद जी बहुत कम उम्र में चले गए। यदि वह कुछ समय और जीवित रहते तो आज हमारी दिशा कुछ और ही होती।

उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी बहुत दयालु थे। अपने आप में विश्वास रखते थे, युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत थे। वह पूरे विश्व को अपना एक परिवार मानते थे। कार्यक्रम का संचालन कर रहे प्रोफेसर रूपनारायण ने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन को बड़े ही सहजता के साथ समझाया और कहा [illegible] जी का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था। इनके पिता वकील थे। स्वामी जी बचपन से ही [illegible]प्र बुद्धि वाले थे। उन्होंने ग्रेजुएशन की शिक्षा प्राप्त कर 1880 में रामकृष्ण परमहंस जी से भेंट की और समाज सेवा के लिए निकल पड़े।

उन्होंने युवाओं के लिए महान वाक्य उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य को प्राप्त ना कर लो दिया था। स्वामी विवेकानंद जी, जिन्होंने अपने अदम्य साहस और निर्भीकता से पूरे विश्व में सत्य सनातन धर्म की शिक्षा देते हुए कहा गर्व से कहो कि हम हिंदू हैं। यह नारा स्वामी विवेकानंद जी ने दिया। स्वामी जी समाज में समरसता की बात करते थे।

इस अवसर पर कुलसचिव धीरेंद्र कुमार, वरिष्ठ आचार्य प्रोफेसर वाई विमला, सांस्कृतिक साहित्यिक परिषद के समन्वयक प्रोफेसर विग्नेश त्यागी, प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ता, डॉ विवेक त्यागी, प्रोफेसर जगबीर भारद्वाज, इंजीनियर प्रवीण पवार, मितेंद्र कुमार गुप्ता, अमरपाल, ईशा पटेल, अंजू मलिक, नवज्योति चौधरी आदि मौजूद रहे।

विवेकानंद जयंती पर विश्वविद्यालय परिसर में हुए हवन में भाग लेतीं कुलपति और शिक्षकगण।

फोटोग्राफी में भावी पत्रकारों ने दिखाई प्रतिभा

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मॉस कम्युनिकेशन द्वारा चौधरी चरण सिंह जयंती के उपलक्ष्य में 22 दिसंबर को फोटोग्राफी प्रतियो. गिता का आयोजन किया गया। इसमें करीब 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

फोटोग्राफी प्रतियोगिता का विषय सीसीएसयू कैंपस ब्यूटी था। बीएम नौटियाल और सुरेंद्र सिंह फोटोग्राफी प्रतियोगिता के निर्णायक थे। सभी फोटो के ऊपर एक नंबर लिखा हुआ था, जिससे फोटो खींचने वाले की पहचान हो रही थी। प्रथम पुरस्कार शिवम तुरेहा, द्वितीय पुरस्कार क्षितिज चौधरी और तृतीय पुरस्कार जया शर्मा को मिला। प्रोत्साहन पुरस्कार आरुषि गुर्जर, खुशी वर्मा और मनस्वी गौर को दिया गया। अलग–अलग विभाग के प्रोफेसर भी फोटोग्राफी प्रतियोगिता देखने आए थे।

इस कार्यक्रम में डॉ. प्रशांत कुमार, डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, लव कुमार सिंह, ज्योति वर्मा, नेहा कक्कड़, उपेश दीक्षित मितेंद्र कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल में हुई फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेता छात्र–छात्राएं निर्णायक मंडल और विभाग के शिक्षकों के साथ।

पूर्वांचल विवि के युवा महोत्सव में सीसीएसयू ने लहराया परचम

उपलब्धि

परिसर संवाददाता

मेरठ। जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुए युवा महोत्सव में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के छात्रों ने विभिन्न श्रेणियों में अनेक पुरस्कार प्राप्त किए। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के निर्देशन में प्रोफेसर अलका तिवारी के नेतृत्व में सीसीएसयू के मेधावी युवा[illegible] ने महोत्सव में भाग लिया।

सीसीएसयू से गए 20 प्रतिभागियों में से 17 कैंपस स्थित फाइन आर्ट डिप[illegible], जबकि इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट मोदीनगर के रहे।

दो छात्र कैंपस के पत्रकारिता विभाग एवं एक मनोविज्ञान विभाग का रहा। रंगोली प्रतियोगिता में सीसीएसयू के आर्यन कुमार, पोस्टर में अक्षय कुमार, फोटोग्राफी में दीपक भटनागर और नृत्य में किशि राठौर प्रथम विजेता रहीं। नाटक में द्वितीय पुरस्कार श्रुति शर्मा, साक्षी ठक्कर, शिवम मादरे, मेघा दीक्षित, भरत आर्य, मोहित रोहित, निकेत डागर एवं आदित्य ने जीता। ऑन द स्पॉट पेंटिंग में आकाश [illegible]र्मा, कोलॉज पेंटिंग में अनमोल त्यागी [illegible] ने द्वितीय, वाद–विवाद में आशीष शर्मा, [illegible] कपिल तृतीय, मेहंदी में काजल रानी [illegible] कोमल रानी तृतीय रहे।

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, रजिस्ट्रार धीरेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी सुशील कुमार, डीएसडब्ल्यू प्रो.भूपेंद्र राणा, चीफ प्रॉक्टर प्रो. वीरपाल सिंह, मनीष मिश्रा ने विजेताओं को शुभकामनाएं दी।

रन फॉर जी–20 में विश्वविद्यालय के दौड़े सैकड़ों छात्र-छात्राएं

आयोजन

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में शनिवार 21 जनवरी को रन फॉर जी–20 का आयोजन किया गया। रन फॉर जी–20 का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर किया। इससे पहले उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम के ध्येय वाक्य और एक धरती एक परिवार, एक भविष्य के संकल्प के साथ इस वर्ष भारत में जी–20 सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। यह देश के लिए तथा हम सभी लोगों के लिए गर्व की ब[illegible]।

यह दौड़ सर छोटू राम इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मुख्य द्वार से शुरू होकर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से होते हुए गेस्ट हाउस कुलपति आवास, विश्वविद्यालय परिसर स्थित मंदिर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षाग्रह होते हुए सर छोटू राम इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी के मुख्य द्वार पर जाकर समाप्त हुई। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने जी–20 के लोगो छपी हुई टीशर्ट तथा कैप पहनी हुई थी।

इस अवसर पर कुलसचिव धीरेंद्र कुमार, सहायक कुलसचिव सत्य प्रकाश, प्रोफेसर मृदुल गुप्ता, [illegible]र वीरपाल सिंह, प्रोफेसर अनिल मलिक, प्रोफेसर बिंदु शर्मा, डॉक्टर नीरज सिंघल, डॉक्टर गुलाब सिंह रूहेल, डॉ प्रवीण कुमार, डॉ अशोक सोम, डॉ धर्मेंद्र कुमार, डॉक्टर अनिल यादव, मितेंद्र कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

मतदाता जागरूकता की शपथ : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय स्थित तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के छात्र–छात्राओं ने 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाता जागरूकता की शपथ ली। इस दौरान छात्रों ने हर चुनाव में मतदान करने और लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने का प्रण लिया।

सीसीएसयू में बदल रही खेलों की सूरत

नव–निर्माण

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में खेल सुविधाओं के लिए बहुत तीव्र गति से कार्य हो रहा है। बहुत जल्द परिसर में एक ही स्थान पर कई खेलों से जुड़ी सुविधाएं खिलाड़ियों को मिलने लगेंगी। विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण के लिए ग्राउंड तैयार किए जा रहे हैं। यही नहीं, विभिन्न खेलों के कोच भी नियुक्त होंगे, ताकि यवाओं को बेहतर माध्यम से खेल से जुड़ी सभी बारीकियों सिखाया जा सके।

विश्वविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. गुलाब सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में पढ़ने व छात्र–छात्राओं के साथ जो युवा खेल प्रशिक्षण चा... सभी को तैयारी कराई जाएगी। इसके लिए कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के निर्देशानुसार, विश्वविद्यालय परिसर में ही मैदान तैयार किए जा रहे हैं, ताकि क्रिकेट, तीरंदाजी, शूटिंग, हॉकी, वॉलीबॉल सहित अन्य प्रकार के खेलों में युवा बेहतर परफॉर्म कर पाएं।

परिसर में जो खेल शुरू किए जाएंगे, उन सभी के लिए कोच भी नियुक्त किए जाएंगे। अभी की बात करें तो विश्वविद्यालय में ती. रंदाजी की शुरुआत बीते दिसंबर माह में शुरू हो चुकी है। इसके लिए रितिका को बतौर कोच नियुक्त किया जा चुका है, जो युवाओं को तीरंदाजी की प्रैक्टिस करा रही हैं।

विश्वविद्यालय में मैदान का कार्य भी तीव्र गति से चल रहा है, जिससे जल्द से जल्द युवा यहां प्रैक्टिस कर सके। बताते चलें कि परिसर में ही रूस्तम ए जमा सिंह दारा कुश्ती स्टेडियम भी संचालित होता है, जिसमें राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में यहां के पहलवान बेहतर परफॉर्म ...े हैं। इतना ही नहीं वेस्ट यूपी के अधिकतर पहलवान इसी स्टेडियम में आकर प्रैक्टिस करते हैं। ऐसे में जब अन्य खेलों में भी यहां युवाओं को ...क्टेस कराई जाएगी, तो बेहतर परिणाम देखने को ...।

उल्लेखनीय है कि खेल सुविधाओं का विकास कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला की प्राथमिकताओं में शामिल है। वे कह चुकी हैं कि परिसर में खेल सुविधाओं के अलावा सिंथेटिक एथले. टिक ट्रैक बनवाने पर जोर रहेगा। इसके अलावा तीरंदाजी, निशानेबाजी और लान टेनिस जैसे खेलों के प्रशिक्षण की शुरुआत होगी। परिसर में हास्टल के छात्रों व शिक्षकों के लिए रात आठ बजे तक खेल गतिविधियों के आयोजन की व्यवस्था होगी।

हिंदी विभाग में बनाई जाएगी भाषा प्रयोगशाला

फैसले

दो टेनिस कोर्ट के लिए दस लाख और वेलनेस सेंटर के लिए आठ लाख रुपये आवंटित

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की वित्त समिति की बैठक बुधवार 25 जनवरी को हुई जिसमें नए योजनाओं के लिए धनराशि आवंटित कर दी गई। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला की अध्यक्षता में हुई बैठक में विश्वविद्यालय के खेल मैदान में दो टेनिस कोर्ट बनाने के लिए दस लाख रुपये आवंटित कर दिए गए हैं। सीसीएसयू के हिंदी विभाग में एक भाषा प्रयोगशाला यानी लैंग्वेज लैब भी बनाई जाएगी। इसके लिए 30 लाख रुपये की राशि आवंटित हुई है।

वित्त समिति की बैठक में इसी के साथ राजेश पायलट भवन यानी योग भवन में वेलनेस सेंटर बनाने के लिए भी विश्वविद्यालय ने आठ लाख रुपये की धनराशि आवंटित की है। भाषा प्रयोगशाला में विभिन्न भाषाओं को ऑडियो–वीडियो के माध्यम से सिखाया जाएगा। इसमें किसी भाषा को कैसे बोलते हैं, कैसे प्रतिक्रिया देते हैं आदि की बारीकी से आधुनिक संसाधनों के प्रयोग से सिखाया जाता है। भाषा प्रयोगशाला में रूसी, जापानी, चीनी आदि अनेक भाषाओं को सिखाने का प्रबंध होगा।

ब्रिटिश और अमेरिकिन इंस्टीट्यूट भारतीयों को अंग्रेजी भाषा सिखाने के लिए इसी तरह के उपकरणों का प्रयोग करते हैं, जिसमें शब्दों की जानकारी के साथ ब्रिटिश और अमेरिकिन अंदाज में बोलना सिखाया जाता है।

तिलक स्कूल में हुआ सरस्वती पूजन और मनी निराला जयंती

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में समारोह में बोलते मुख्य वक्ता अजय मित्तल (ऊपर) और उन्हें सुनते छात्र–छात्राएं।

मेरठ। बसंतोत्सव के अवसर पर बुधवार 25 जनवरी को तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में सरस्वती पूजन एवं निराला जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार और राष्ट्रदेव पत्रिका के संपादक अजय मित्तल ने सरस्वती जन्म, शारदा पीठ आदि की सारगर्भित जानकारी छात्र–छात्राओं को दी। मुख्य अतिथि श्याम बिहारी लाल जी ने सभी को बसंत पंचमी और गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी कार्यक्रम के उपरांत मतदाता जागरूकता की शपथ भी ली गई।

इस दौरान विभाग के निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार के अतिरिक्त डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, लव कुमार सिंह, नेहा कक्कड़, राकेश, ज्योति, मितेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

एडवांस इंस्ट्रुमेंटशन पर सात दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग में 21 जनवरी को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से सात दिवसीय एडवांस इंस्ट्रूमेंटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. मनोज प्रसाद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने की।

डीन कृषि प्रोफेसर एसएस गौरव ने सभी अतिथियों का परिचय कराया। आयोजन सचिव प्रोफेसर शैलेंद्र शर्मा ने कार्यक्रम की सातों दिनों की गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त रूप से बताया। इस कार्यक्रम में जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के तौर पर प्रोफेसर मो. अकरम ने इंस्ट्रूमेंटेशन प्रोग्राम पर अपने विचार व्यक्त किए। इसी के साथ डॉ. मनोज प्रसाद, प्रोफेसर पीके गुप्ता और डॉ. जितेंद्र गिरि ने व्याख्यान दिए।

कार्यक्रम में अलग–अलग राज्यों के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें युवा वैज्ञानिक, पीएचडी शोधार्थी और सहायक आचार्य शामिल हैं। उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर के.पी. सिंह ने सिनजिस्टिक ट्रेनिंग प्रोग्राम, एडवांस इंस्ट्रमेंटन विषय पर गहराई से प्रकाश डाला और शोधार्थी के लिए प्रयोगशाला के उपकरणों के महत्व व उपयो. गिता के बारे में बताया।

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने आयोजन मंडल को बधाई दी और प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि वे अपना–अपना फीडबैक फार्म और सुझाव आयोजन समिति को देंगे। प्रोफेसर राहुल कुमार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में सात दिनों तक अलग–अलग उच्च संस्थानों के विख्यात प्रोफेसर व वैज्ञानिकों के व्याख्यान होंगे। साथ ही आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन की अलग–अलग प्रयोगशाला में आधुनिक उपकरणों के संचालन, रखरखाव और प्रयोगों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

नेता जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया : सुभाष चंद्र बोस जयंती पर साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद की ओर से ऑडिटोरियम के सामने स्थित नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान कुलसचिव और प्रोफेसर वाई विमला भी उपस्थित रहीं।

गणतंत्र दिवस समारोह

12 छात्रों को रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड

कुलपति ने ग्राम प्रधानों, जी–20 रन के विजेताओं को भी किया पुरस्कृत

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्याय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 12 मेधावी छात्रों को रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड और तीन ग्राम प्रधानों को गांवों में पुस्तकालय बनवाने के लिए कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने सम्मानित किया।

सम्मानित ग्राम प्रधानों में अचर्ना कसाना, ग्राम महमूदपुर जिला गाजियाबाद, दीपक कुमार ग्राम मवाई कलां जिला बागपत और अमरजीत ग्राम डेरियों रछोती शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान जी–20 रन में विजेता धावकों को भी सम्मानित किया गया। इसके अलावा स्वच्छ भारत अभियान के तहत अच्छा कार्य करने वाले छात्र–छात्राओं का भी सम्मान हुआ।

विश्वविद्यालय का गणतंत्र दिवस कार्यक्रम इस बार नेताजी सुभाष चंद्र बोस सभागार के प्रांगण में आयोजित किया गया। इस दौरान कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस राष्ट्रप्रेम की अलख जगाते हुए राष्ट्रबोध कर अपने राष्ट्रीय दायित्व को समझने का दिन है। युवा पीढ़ी से अपेक्षा है कि वह अपनी सभ्यता, संस्कृति और विरासत पर गर्व करे। युवा शब्द ही मन में उड़ान और उमंग पैदा करता है। देश में असंभव को संभव में बदलने वाले युवा सबसे अधिक हैं। भारतीय युवा स्तरीय शिक्षा के बिना विश्व पटल पर अपनी छाप नहीं छोड़ सकता है। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारी और शिक्षक उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह में तिरंगा फहरातीं और उपस्थित लोगों को संबोधित करतीं (ऊपर दाएं) कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

गणतंत्र दिवस समारोह में कुलपति ने रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड के अतिरिक्त ग्राम प्रधानों, जी–20 रन के विजेताओं और स्वच्छता के लिए कार्य करने वाले छात्र–छात्राओं को भी सम्मानित किया।

मकर संक्रांति उत्सव...

मकर संक्रांति के अवसर पर 15 जनवरी को विश्वविद्यालय शाखा की ओर से मकर संक्रांति उत्सव का आयोजन नेताजी सुभाष चंद्र बोस सभागार में किया गया। इसमें अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख श्रीमान स्वांत रंजन ने मुख्य उद्बोधन दिया। अध्यक्षीय उदबोधन कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला का रहा। कार्यक्रम के बाद सभी ने सामूहिक रूप से खिचड़ी को प्रसाद रूप में ग्रहण किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर गठित समिति की रिपोर्ट के सुझाव लागू

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की ओर से राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अंतर्गत ग्रेडिंग एवं परीक्षा संबंधी नियमों को बनाने के लिए गठित समिति ने अपनी रिपोर्ट व सुझाव दे दिए हैं। शुक्रवार 27 जनवरी को कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला की अध्यक्षता में हुई परीक्षा समिति की बैठक में रिपोर्ट को शामिल करके चर्चा के बाद लिए गए निर्णयों को लागू कर दिया गया है।

इस रिपोर्ट के अनुसार मुख्य रूप से विद्यार्थी प्रथम या द्वितीय सेमेस्टर में कुल मिलाकर न्यूनतम 23 और मुख्य वि 18 क्रेडिट के पेपर उत्तीर्ण कर लेता है तो अगले वर्ष में प्रोन्नत करके छात्र के द्वतीय सेमेस्टर के परिणाम में प्रमोटेड लिखा जाएगा।

परीक्षा समिति की बैठक

यदि कोई विद्यार्थी मेजर या मानइर विषयों की विश्वविद्यालय परीक्षा यानी ब्र परीक्षा में न्यूनतम निर्धारित 25 अंक प्राप्त न पाते हैं तो परीक्षा परिणाम में ब्राह्य परीक्षा क यानी फेल लिखा जाएगा।

यदि कोई विद्यार्थी न्यूनतम मेजर या माइनर विषयों की बाह्य और आंतरिक परीक्षा में न्यूनतम 33 अंक प्राप्त करने में असफल रहते हैं तो उसके बाह्य परीक्षा और आंतरिक परीक्षा के योग के सम्मुख फेल लिखा जाएगा।

कोई विद्यार्थी पहले, तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा में किसी एक पेपर में अनुत्तीर्ण, अनुपस्थित या यूएफएम में पकड़ा गया है तो परीक्षा परिणाम में फेल बट प्रमोटेड लिखा जाएगा।

परीक्षा समिति ने यह निर्णय भी लिया है कि उपाधि पूरा करने में काल बाधित हुए दो वर्ष या उससे कम समय हुआ है तो ऐसे छात्रों को पूर्व की भांति एक वर्ष के काल बाधित होने पर पांच हजार रुपये और दो वर्ष होने पर 10 हजार रुपये शुल्क जमा करने के बाद उपाधि पूरा करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

उपाधि पूरा करने में इससे अधिक समय के कालबाधित प्रकरणों को परीक्षा समिति की ओर से निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।